

उद्भावक वि. (तत्.) 1. उद्भव करने वाला 2. कल्पना करने वाला।

उद्भावना स्त्री. (तत्.) 1. उद्भव 2. प्रकटीकरण, अभिन्यासी 3. मन की उपज, कल्पना, सोच।

उद्भावित वि. (तत्.) 1. जिसका उद्भव हुआ हो 2. जिसकी कल्पना की गई हो, कल्पित।

उद्भास पुं. (तत्.) 1. चमक, दीप्ति 2. प्रकाश 3. हृदय में किसी बात की प्रतीति प्रयो. अंधेरी रात में राजमार्ग पर दिया जलाकर उसे उद्भासित कर दिया था -चारु चंद्रलेख-ह.प्र.द्विवेदी।

उद्भासन पुं. (तत्.) 1. चमचमाना, दीपित होना 2. चमकाना, दीपित करना 3. अभिव्यक्ति।

उद्भासित वि. (तत्.) 1. चमकता हुआ 2. चमकाया गया 3. सुशोभित 4. अभिव्यक्त।

उद्भासी वि. (तत्.) 1. चमकने वाला 2. दीप्ति या तेजन को प्रकट करने वाला।

उद्भिजशास्त्र पुं. (तत्.) वनस्पतिशास्त्र।

उद्भिज्ज पुं. (तत्.) 1. धरती को फोड़कर पैदा होने वाला पौधा या वनस्पति 2. उगने वाला दे. उद्भिद्।

उद्भिद् पुं. (तत्.) 1. धरती को फोड़ कर निकलने वाला, अँखुवा, पौधा, वनस्पति 2. वृक्ष, लता आदि जो भूमि फोड़कर निकले, उद्भिज्ज।

उद्भिन्न वि. (तत्.) 1. निकला हुआ 2. व्यक्त 3. उत्पन्न 4. विभक्त 5. विकसित 6. जिसके प्रति विश्वासघात किया गया हो।

उद्भूत वि. (तत्.) 1. उत्पन्न 2. उच्च 3. व्यक्त 4. गोचर।

उद्भूति स्त्री. (तत्.) 1. उत्पत्ति 2. उत्कर्ष।

उद्भूत वि. (तत्.) 1. उभारा हुआ 2. उकेरा हुआ उदा. उद्भूत मानचित्र, उद्भूत नक्काशी आदि।

उद्भूती स्त्री. (तत्.) 1. उभार, उठाव 2. कला. त्रिआयामी कलाकृतियाँ जो उभार या गहराई से युक्त हो।

उद्भेक पुं. (तत्.) 1. बढ़ती प्रचुरता, अधिकता 2. अर्थालंकार का एक भेद जहाँ कई सजातीय वस्तुओं या गुणों की तुलना में किसी सजातीय या विजातीय वस्तु या गुण की उत्कृष्टता या निकृष्टता दिखाई देती है।

उद्भेद पुं. (तत्.) 1. धरती को फोड़कर निकलना 2. बीज का अंकुरित होना 3. प्रकट होना 4. उत्स 5. ज्वालामुखी का फूटना 5. विस्फोट।

उद्भेदन पुं. (तत्.) 1. निशाना बनाकर भेदना (बेधना) 2. तोड़ना; फोड़ना 3. तोड़कर या फोड़कर बाहर निकलना, जैसे- बीज का अंकुरित होना 4. विस्फोट 5. दे. उद्गार।

उद्भमण पुं. (तत्.) 1. चक्कर काटना, मँडराना 2. चक्कर लगाना 3. घूमना-फिरना।

उद्भ्रांत वि. (तत्.) 1. घूमा या चक्कर खाया हुआ 2. भूला-भटका हुआ 3. भ्रमित 4. हैरान, भौंचक्का 5. उद्विग्न प्रयो. होती आके उदय उर में घोर उद्विग्नताएँ। देखे जाते सकल ब्रज के लोग उद्भ्रांत-से थे- प्रिय प्रवासःषष्ठ सर्ग।

उद्यत वि. (तत्.) 1. तैयार, तत्पर, आमादा 2. उठाया हुआ 3. प्रस्तुत।

उद्यम पुं. (तत्.) 1. वह काम जिससे कोई अपनी जीविका चलाता हो, धंधा occupation 2. श्रम, मेहनत 3. उद्योग, प्रयास, प्रयत्न, पुरुषार्थ, परिश्रम, मेहनत 5. बाणि. उत्पादन का वह कारक जो जोखिम उठाने से संबद्ध है, फर्म, कंपनी। enterprise

उद्यमकर्ता वि. (तत्.) बाणि. लाभ कमाने की दृष्टि से व्यावसायिक कंपनी खोलने तथा चलाने वाला व्यक्ति, उद्यमी।

उद्यमी वि. (तत्.) 1. उद्यमकर्ता 2. परिश्रमी, मेहनती, प्रयत्नशील।